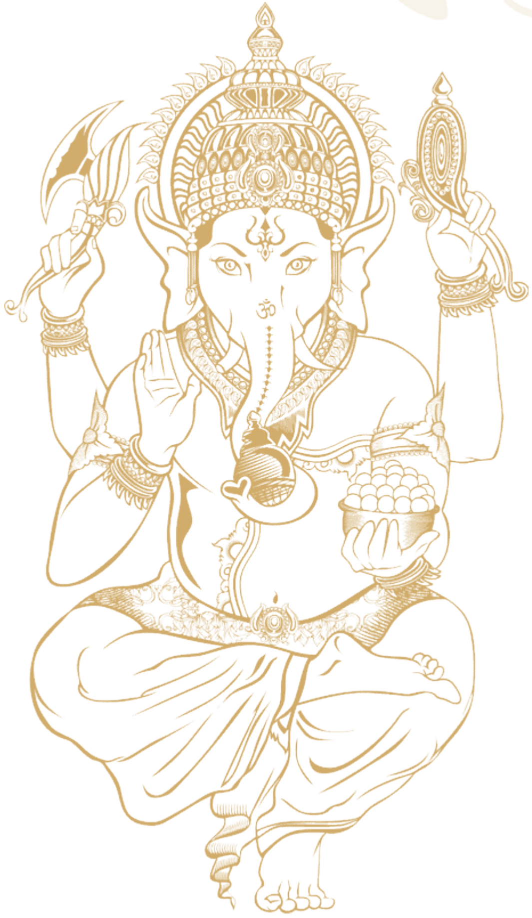

18 Aug 1996

02:53 AM

Nasik

Model: web-freekundliweb

Order No: 121342416

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/08/1996**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:53:00 घंटे**
इष्ट	51:34:34 घटी
स्थान	**Nasik**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	20:00:00 उत्तर
रेखांश	73:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:18:28 घंटे
वेलान्तर	-00:04:01 घंटे
साम्पातिक काल	00:04:35 घंटे
सूर्योदय	06:15:10 घंटे
सूर्यास्त	19:01:31 घंटे
दिनमान	12:46:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:24:53 सिंह
लग्न के अंश	15:27:19 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:27:19	323:40:00	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	01:24:53	00:57:44	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	11:00:41	12:15:30	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	21:30:59	00:39:05	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	28:28:28	01:06:37	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	14:26:49	00:03:07	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मिथु	15:41:48	00:56:30	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मीन	12:50:58	00:02:52	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:47:59	00:00:28	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:47:59	00:00:28	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:53:09	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	01:46:58	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:32:16	00:00:15	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मीन	07:26:10	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:40

लग्न-चलित

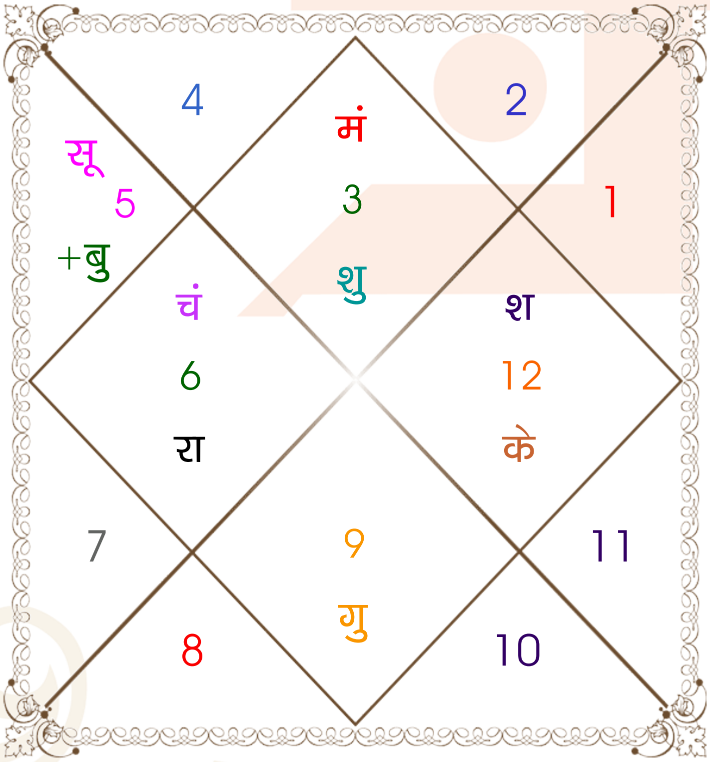

चन्द्र कुंडली

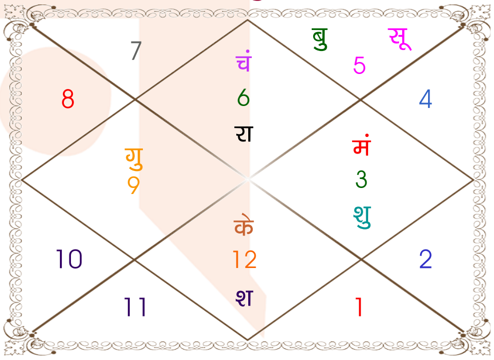

नवमांश कुंडली

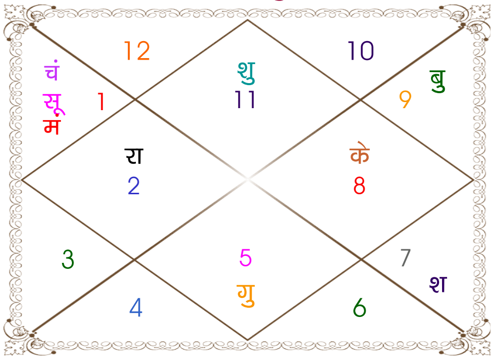

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 2 मास 27 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/08/1996		14/11/2005		14/11/2012		14/11/2030		14/11/2046	
14/11/2005		14/11/2012		14/11/2030		14/11/2046		14/11/2065	
चंद्र	14/09/1996	मंगल	12/04/2006	राहु	28/07/2015	गुरु	01/01/2033	शनि	17/11/2049
मंगल	15/04/1997	राहु	01/05/2007	गुरु	21/12/2017	शनि	16/07/2035	बुध	27/07/2052
राहु	15/10/1998	गुरु	06/04/2008	शनि	27/10/2020	बुध	21/10/2037	केतु	05/09/2053
गुरु	14/02/2000	शनि	15/05/2009	बुध	16/05/2023	केतु	27/09/2038	शुक्र	05/11/2056
शनि	14/09/2001	बुध	13/05/2010	केतु	02/06/2024	शुक्र	28/05/2041	सूर्य	18/10/2057
बुध	14/02/2003	केतु	09/10/2010	शुक्र	03/06/2027	सूर्य	16/03/2042	चंद्र	19/05/2059
केतु	15/09/2003	शुक्र	09/12/2011	सूर्य	27/04/2028	चंद्र	16/07/2043	मंगल	27/06/2060
शुक्र	15/05/2005	सूर्य	15/04/2012	चंद्र	27/10/2029	मंगल	21/06/2044	राहु	04/05/2063
सूर्य	14/11/2005	चंद्र	14/11/2012	मंगल	14/11/2030	राहु	14/11/2046	गुरु	14/11/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/11/2065		14/11/2082		14/11/2089		15/11/2109		16/11/2115	
14/11/2082		14/11/2089		15/11/2109		16/11/2115		00/00/0000	
बुध	12/04/2068	केतु	12/04/2083	शुक्र	16/03/2093	सूर्य	05/03/2110	चंद्र	19/08/2116
केतु	09/04/2069	शुक्र	12/06/2084	सूर्य	16/03/2094	चंद्र	03/09/2110		00/00/0000
शुक्र	08/02/2072	सूर्य	17/10/2084	चंद्र	15/11/2095	मंगल	09/01/2111		00/00/0000
सूर्य	14/12/2072	चंद्र	18/05/2085	मंगल	14/01/2097	राहु	04/12/2111		00/00/0000
चंद्र	16/05/2074	मंगल	15/10/2085	राहु	14/01/2100	गुरु	21/09/2112		00/00/0000
मंगल	13/05/2075	राहु	02/11/2086	गुरु	15/09/2102	शनि	03/09/2113		00/00/0000
राहु	29/11/2077	गुरु	09/10/2087	शनि	15/11/2105	बुध	10/07/2114		00/00/0000
गुरु	06/03/2080	शनि	17/11/2088	बुध	15/09/2108	केतु	15/11/2114		00/00/0000
शनि	14/11/2082	बुध	14/11/2089	केतु	15/11/2109	शुक्र	16/11/2115		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 2 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।